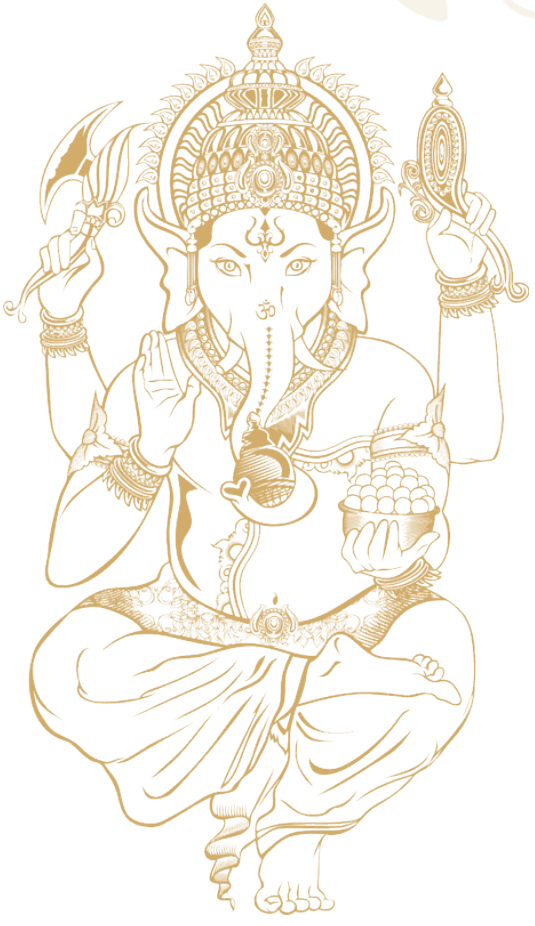

ANKITA SINGH

15 Dec 1981

02:35 PM

Sasaram

Model: web-freekundliweb

Order No: 121287302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/12/1981**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**14:35:00 घंटे**
इष्ट	20:09:25 घटी
स्थान	**Sasaram**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:58:00 उत्तर
रेखांश	84:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:41:04 घंटे
वेलान्तर	00:04:55 घंटे
साम्पातिक काल	20:16:49 घंटे
सूर्योदय	06:31:13 घंटे
सूर्यास्त	17:06:51 घंटे
दिनमान	10:35:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	29:42:29 वृश्चिक
लग्न के अंश	20:49:11 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:49:11	427:14:26	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	29:42:29	01:01:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	24:41:03	13:52:57	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल			कन्या	06:06:06	00:28:21	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	धनु	02:21:46	01:34:43	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	09:48:15	00:10:27	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मक	10:25:55	00:32:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि			कन्या	26:46:27	00:04:35	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु			मिथु	29:07:43	00:01:12	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	उच्च राशि
केतु			धनु	29:07:43	00:01:12	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	08:09:47	00:03:31	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप			धनु	00:55:28	00:02:16	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	02:44:03	00:01:32	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			मक	08:20:33	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:02

लग्न-चलित

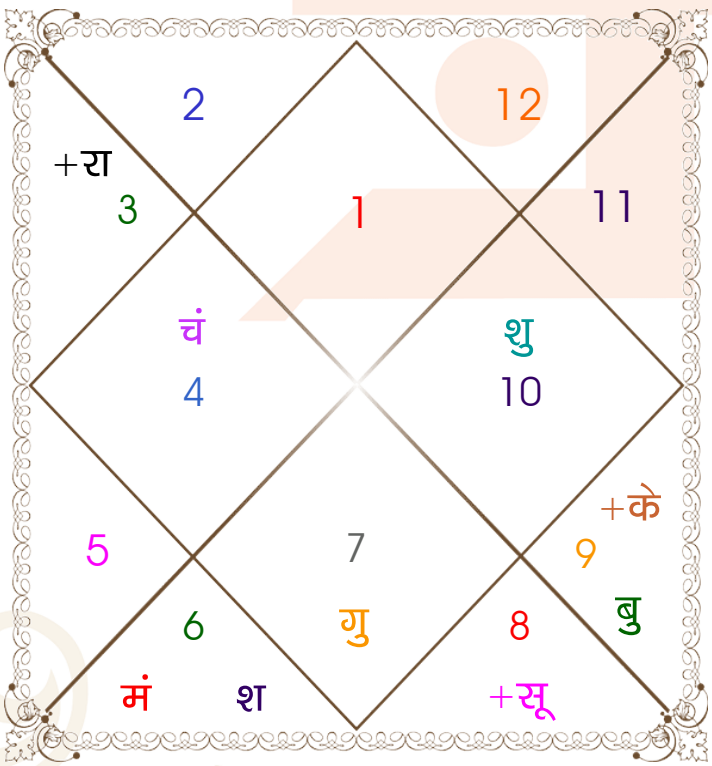

चन्द्र कुंडली

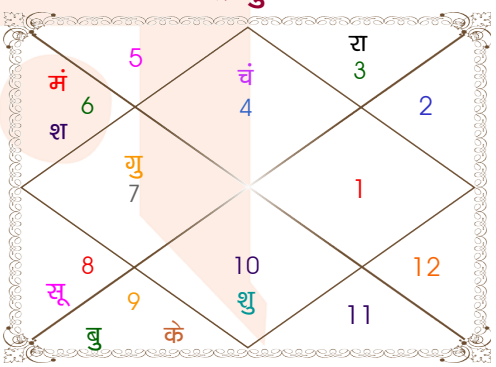

नवमांश कुंडली

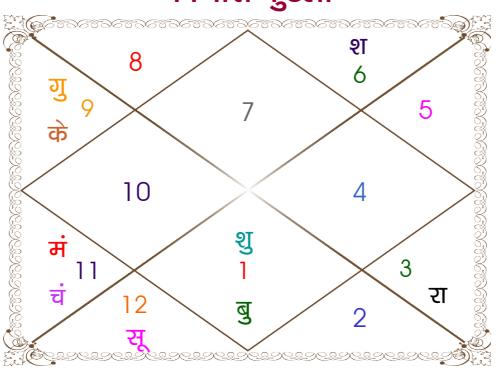

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 9 मास 10 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/12/1981		25/09/1988		25/09/1995		25/09/2015		25/09/2021	
25/09/1988		25/09/1995		25/09/2015		25/09/2021		25/09/2031	
	00/00/0000	केतु	21/02/1989	शुक्र	25/01/1999	सूर्य	13/01/2016	चंद्र	26/07/2022
	00/00/0000	शुक्र	23/04/1990	सूर्य	25/01/2000	चंद्र	14/07/2016	मंगल	24/02/2023
	00/00/0000	सूर्य	29/08/1990	चंद्र	25/09/2001	मंगल	18/11/2016	राहु	25/08/2024
	00/00/0000	चंद्र	30/03/1991	मंगल	25/11/2002	राहु	13/10/2017	गुरु	25/12/2025
	00/00/0000	मंगल	26/08/1991	राहु	25/11/2005	गुरु	01/08/2018	शनि	27/07/2027
	15/12/1981	राहु	12/09/1992	गुरु	26/07/2008	शनि	14/07/2019	बुध	25/12/2028
राहु	11/10/1983	गुरु	19/08/1993	शनि	25/09/2011	बुध	20/05/2020	केतु	26/07/2029
गुरु	16/01/1986	शनि	28/09/1994	बुध	26/07/2014	केतु	25/09/2020	शुक्र	27/03/2031
शनि	25/09/1988	बुध	25/09/1995	केतु	25/09/2015	शुक्र	25/09/2021	सूर्य	25/09/2031

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/09/2031		25/09/2038		25/09/2056		25/09/2072		25/09/2091	
25/09/2038		25/09/2056		25/09/2072		25/09/2091		00/00/0000	
मंगल	22/02/2032	राहु	07/06/2041	गुरु	13/11/2058	शनि	28/09/2075	बुध	21/02/2094
राहु	11/03/2033	गुरु	01/11/2043	शनि	26/05/2061	बुध	08/06/2078	केतु	18/02/2095
गुरु	15/02/2034	शनि	07/09/2046	बुध	01/09/2063	केतु	17/07/2079	शुक्र	19/12/2097
शनि	27/03/2035	बुध	26/03/2049	केतु	07/08/2064	शुक्र	16/09/2082	सूर्य	26/10/2098
बुध	23/03/2036	केतु	14/04/2050	शुक्र	08/04/2067	सूर्य	29/08/2083	चंद्र	27/03/2100
केतु	19/08/2036	शुक्र	14/04/2053	सूर्य	25/01/2068	चंद्र	29/03/2085	मंगल	24/03/2101
शुक्र	19/10/2037	सूर्य	08/03/2054	चंद्र	26/05/2069	मंगल	08/05/2086	राहु	16/12/2101
सूर्य	24/02/2038	चंद्र	07/09/2055	मंगल	02/05/2070	राहु	14/03/2089		00/00/0000
चंद्र	25/09/2038	मंगल	25/09/2056	राहु	25/09/2072	गुरु	25/09/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।